**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 24-12-2024**

**जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-12-24 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2024-12-25 | 2024-12-26 | 2024-12-27 | 2024-12-28 | 2024-12-29 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 1.0 | 1.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 23.0 | 22.0 | 21.0 | 23.0 | 24.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 11.0 | 10.0 | 11.0 | 12.0 | 12.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 29 | 38 | 48 | 29 | 20 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 58 | 60 | 49 | 73 | 28 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 17 | 17 | 16 | 15 | 12 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 47 | 63 | 56 | 31 | 55 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 0 | 0 | 3 | 4 | 0 |

## मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले दिनों में बादल छाए रहने के साथ कहीं कहीं पर हल्की वर्षा की सम्भावना है। अधिकतम तापमान 21.0 से 24.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 10.0 से 12.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना। हवा की गति 12-17 किमी/घंटा रहने की संभावना है।

## सामान्य सलाहकार:

आने वाले दिनों में बादल छाए रहने के साथ कहीं कहीं पर हल्की वर्षा की सम्भावना है। अधिकतम तापमान 21.0 से 24.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 10.0 से 12.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना। हवा की गति 12-17 किमी/घंटा रहने की संभावना है।

## लघु संदेश सलाहकार:

27 और 28 दिसम्बर को कहीं कहीं पर हल्की वर्षा की सम्भावना है।

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गेहूँ | किसानों को सलाह दी जाती है कि समय से बोई गई गेहूं की फसल में पहली सिंचाई बुआई के 21 दिन बाद करें तथा नाइट्रोजन की 30 प्रतिशत मात्रा /हेक्टेयर भी सिंचाई के समय डालें। |

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| सरसों | किसान भाईयों को सलाह दी जाती हैं कि सरसों की फसल में फूल आते समय 40 – 45 दिन की फसल पर सिंचाई करें। |
| सरसों | सरसों की फसल में सफेद रोली रोग की लगातार निगरानी करें। सफेद रोली रोग से फसल बुवाई के 50 से 60 दिन बाद या दिसंबर माह में पतियों की निचली सतह पर सफेद रंग के ऊभरे हुए फफोले दिखाई देते है। फफोलो की ऊपरी सतह पर पतियों पर पीले रंग के धबे दिखाई देते है। इसकी रोकथाम के लिए प्रथम छिड़काव मेटालेक्सिल 0.2 प्रतिशत ( 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर ) का घोल बनाकर छिड़काव करे। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| | ईसबगोल की फसल में अंकुरण के 20 से 25 दिन बाद निराई गुड़ाई अवश्य करें। निराई गुड़ाई से वायु संचरण बढ़ता है तथा खरपतवार नियंत्रण के साथ तुलासिता रोग का प्रकोप कम हो जाता है। |
| जीरा | बादल छाएं रहने के कारण जीरा की फसल में झुलसा रोग की सम्भावना है। अतः रोग की रोकथाम के लिए मैन्कोजेब 2 ग्राम का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | रात के तापमान में कमी की संभावना को देखते हुए पशुओं को बाहर की ठंडी हवा से बचाने के लिए रात के समय शेड में रखें, उन्हें ताजा/गुनगुना पानी दें। रात के समय जूट की बोरी से बने कपड़े पशुओं के शरीर पर रखें। पशुओं को दिन में धूप में रखें। |